संगीत-शिक्षा-पारंगत

यह पाठ्यक्रम एक वर्ष का होगा। शिक्षा पारंगत में सम्मिलित होने के लिये परीक्षार्थी को मंडल की संगीत अलंकार तथा मान्यवर विश्वविद्यालय की उपाधि उत्तीर्ण होना आवश्यक है। सौ-सौ अंको के तीन प्रश्नपत्र होंगे। क्रियात्मक के लिए पाठ माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रमानुसार लेना होगा। परीक्षक महोदय से वार्षिक पाठ (फायनल लेसन) का विषय (UNIT) लेने के बाद लेसन नोट तैयार कर के ही पाठ लेना है। इसी तरह संगीत विशारद से संगीत अलंकार तक के पाठ्यक्रम पर आधारित एक पाठ (LESSON) परीक्षक की सलाह से लेसन नोट तैयार करके पाठ लेना पड़ेगा। दो पाठ (LESSON) सौ-सौ अंक के होंगे। उत्तीर्ण होने के लिए दोनों पाठों में 35% अंक प्राप्त करना आवश्यक है। अध्यापन कला विद्यार्थी को सत्र में मान्यता प्राप्त शालामें तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 20 पाठ सत्र में पूरे करने होंगे। संगीत कक्षा के पाठ अ.भा. गां. म. वि. मंडल मान्यता प्राप्त तथा संगीत अलंकार शिक्षा की सुविधा है उसी संगीत विद्यालय में होंगे। 10 पाठों का निरीक्षण भी करना होगा और उस निरीक्षण पर टिप्पणी भी होनी चाहिये। संगीत कक्षाके पाठ 25 होंगे। इसमें क्रियात्मक के 15 और शास्त्र के लिए 10 पाठ होंगे। पाठ लेने के तथा पाठ पूर्ण करने के बादही मान्यता प्राप्त संस्था के सुपुर्द प्राचार्य का मुख्याध्यापक का पत्र परीक्षक को सूपूर्द करना होगा। पाठों का निरीक्षण संगीत अलंकार तथा माध्यमिक उच्च माध्यमिक शालामें लगातार 11/12 वर्ष तक सेवा में हो वो अध्यापकही कर सकते हैं। शालेय स्तर के पाठ की अलग फाईल तथा संगीत कक्षा की अलग फाईल होनी चाहिए। हर एक पाठ पर निरीक्षक के हस्ताक्षण आवश्यक हैं।

Scanned by CamScanner

शास्त्रीय ज्ञान

गुण : 300, न्यूनतम : 105

१) प्रथम प्रश्न पत्र : शिक्षा और शिक्षा मनोविज्ञान, बाल मनोविज्ञान के सिद्धान्त। अंक १००

२) द्वितीय प्रश्न पत्र : संगीत अध्यापन विधियों और विविध अध्यापन पद्धतियाँ तथा शैलियाँ

३) तृतीय प्रश्न पत्र : संगीत विद्यालय, महाविद्यालय व्यवस्थापन, पाठ्य पुस्तकों की सूचि बनाना, भिन्न भिन्न प्रकार के चर्चा सत्र, मंच प्रदर्शन, व्हाईस कल्चर, छोटे बड़े प्रदर्शनों की योजनाएँ प्रस्तुति करण इत्यादि।

प्रश्न पत्र प्रथम

शिक्षा मनोविज्ञान और शिक्षा के सिद्धांत

अंक : १००, न्यूनतम : ३५

(अ) शिक्षा के सिध्दांत :

शिक्षा और निर्देश, शिक्षा के ध्येय, ललित कलाओं द्वारा शिक्षा, वंशानुगत संस्कार तथा वातावरण, वैयक्तिक तथा सामूहिक शिक्षण, शिक्षा का जीवन में स्थान, शिक्षा और सामाजिक व्यवस्था, जनता का शिक्षण, अध्यापकों के सहयोग का स्थान, मूलभूत शिक्षा, शिक्षा का तात्पर्य तथा इसका क्षेत्र, विषय और ध्येय, बेसिक शिक्षा में संगीत का स्थान, बेसिक स्कूल में अंतर्हित नागरिकता का आदर्श।

सूचना : ये सभी विषय संगीत और कला से संबंधित होने चाहिए।

(ब) मनोविज्ञान तथा शिक्षा :

बालक बालिकाओं का स्वभाव, इनकी मूल प्रवृत्तियों और सहज प्रवृत्तियों का अध्ययन, इन प्रवृत्तियों का चरित्र निर्माण में स्थान। जन्मजात बौध्दिक शक्तियाँ (यथा भाषा संबंधी,

Scanned by CamScanner

गणित संबंधी, तार्किक अथवा संगीत संबंधी प्रतिभा) वातावरण के प्रभाव से मनुष्य का विकास, विकास की विभिन्न सीढ़ियाँ, अनुकरण और क्रीडा का शिक्षा में स्थान, निर्विकल्प प्रत्यक्ष (Sensation). सविकल्प प्रत्यक्ष (Perception) कल्पनायुक्त (Appreciation), अवलोकन (Observation) कल्पना (Imaginary) प्रत्यक्ष संबंधज्ञान(Association). स्मृति, कल्पना स्थायीभाव (Sentiments) प्रचेतन भावना ग्रन्थि (Complexes) विचार और अनुकरण, शिक्षा का ध्येयनिर्धारण, आदत बनाने के सिद्धांत, थकान, रूचि और प्रयत्न, मानसिक माप, बुद्धिमाप, व्यक्तित्त्व दुर्बाध शिशु, मन्दबुध्दि, दुर्गुणोन्मुख इनके प्रति व्यवहार के रंग।

सूचना : इन सभी का संगीत से संबंध रखकर अध्ययन करना चाहिए।

प्रश्न – पत्र द्वितीय

अध्यापन की विधि

अंक : १००, न्यूनतम : ३५

(अ) अध्यापन के सामान्य उपाय :

अध्यापन की विभिन्न मनोवैज्ञानिक प्रगतियों का विस्तृत अध्ययन। यथाः अन्वेषणात्मक विधि, किंडरगार्टन की क्रीडा विधि, मॉन्टेसरी योजना प्रणाली, बहुमुखी प्रणाली, बेसिक शिक्षा प्रणाली, अध्ययन के सहायक उपाय और प्रयोग, उपर्युक्त प्रणालियों का संगीत में उपयोग, संगीत का अन्य विषयों से सम्बन्ध. ललित कला और शिल्प, विविरण और प्रगतिपत्रिका रखने की विधि, हर कक्षा की उन्नति की विधि, परीक्षा प्रणाली, अन्वेषणात्म (Inductive) तथा निगमनात्मक (Deductible) प्रणाली।

Scanned by CamScanner

(ब) संगीत शिक्षण की विधि :
(विशेष रूप से संगीत सिखाने की कला)

स्वरों का शुद्ध उच्चारण और स्वरपरिष्कार, कण्ठ स्वर के रागों को दूर करने के उपाय, गायन के अन्य दोषों का निराकरण, स्वरज्ञान की शिक्षा, स्वतंत्र रूप से गाकर, मुखड़ा पकड़कर, ठीक ताल में गाने का विशेष अभ्यास करना, गायन की विभिन्न शैलियाँ, गीतों के प्रकार, विभिन्न लयकारियों को सिखाना, (यथा: दुगुन, तिगुन, आधागुन, चौगुन, आड़, कुआड इत्यादि)। तान - आलापों की तैयारी, वैयक्तिक और सामूहिक शिक्षण से लाभ और हानियाँ तथा उनका समन्वय, संगीत सिखाने की आधुनिक और पुरातन विधियाँ, संगीत विद्यालय शिक्षा में स्वरलिपि का स्थान, संगीत शिक्षा और पाठ्य पुस्तकें, क्रियात्मक संगीत तथा शास्त्रीयज्ञान में परस्पर संबंध, संगीत के ज्ञान का महत्त्व, संगीत शिक्षक, मंच प्रदर्शन, संगीत अनुसंधान कर्त्ता तथा संगीत आलोचक का महत्त्व, संगीत के कार्यक्रम प्रस्तुत करना।

प्रश्न-पत्र तृतीय :
विद्यालय संचालन, पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकों की सूचि बनाना और प्रदर्शनों की प्रस्तुति

शिक्षा तथा स्वस्थ्य शिक्षा, खेल तथा स्वास्थ्य विद्यालय में गुरू-शिष्य संबंध, स्वतंत्रता और अनुशासन का विद्यालय जीवन में समन्वय, प्रधानाध्यापक तथा अन्य अध्यापकों का (१) शिष्यों के प्रति (२) समाज के प्रति तथा (३) देश के प्रति कर्त्तव्य।

विद्यालय का समय नियोजन, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की योजना, विद्यालय प्रबंध और कक्ष विभाजन (कक्षाओं का अलग अध्यापकों में वितरण करना, कक्षा अध्यापक तथा अन्य प्रबंध करने के उपाय।

पाठ्यक्रम निर्धारित करना, विषयों का परस्पर संबंध, आदर्श पाठ्य पुस्तकों का निर्माण, संगीत पर उपलब्ध वर्तमान साहित्य की आलोचना,

Scanned by CamScanner

स्कूलों के विभिन्न रूप, (यथा :- प्राइमरी स्कूल, हायर सेकण्डरी स्कूल) वार्षिक तथा अन्य विवरण रखने के ढंग।

अंकपत्रिका :

संगीत शिक्षा पारंगत :

क्रियात्मक पाठ : पाठ्यक्रम के अनुसार साल भरकी 45 पाठोंकी टिपणियाँ माध्यमिक शिक्षा संस्था में 20, संगीत शिक्षा संस्था में 25 : 100 अंक,

माध्यमिक शिक्षा संस्थामें 1 पाठ : 100 अंक,

संगीत विद्यालयमें 1 पाठ : 100 अंक,

क्रियात्मक कुल : 300 अंक,

लिखित : प्रश्न पत्र 1 : 100 अंक, प्रश्न पत्र 2 : 100 अंक,
प्रश्न पत्र 3 : 100 अंक, लिखित कूल : 300 अंक
सर्वयोग : 600 अंक।

सूचना – संगीत शिक्षा विशारद के लिए स्वीकृथ पाठ्य पुस्तकों में 'संगीत शिक्षा पारंगत' भी जारी रहेगी। उनके अतिरिक्त निम्न पुस्तकें भी स्वीकृत हैं।

शिक्षा विशारद, शिक्षक सनद के लिए स्वीकृत पुस्तके :

1) Munn and other-Introduction of Psychology, Oxford
2) Stkinson,tilgard - .....
3) डॉ बोरूडे व डॉ. देशपांडे – माध्यमिक मानसशास्त्र (गो.य.राणे प्रकाशन)
4) Seven India Educationists by A. Bishwas and J. C. Agrawal.
   Publication-Arya Book Depot New Delhi-5
5) Recent Educational Philosopics is India by S.P.Chouvc, Publication-Ram Prasad and Sons Agra-3

Scanned by CamScanner

6) Principles and Methods of Education by.J.S.Wadis Paul Publishers N.N.11, Gopalnagar, Jullunder
7) शैक्षणिक तत्त्वज्ञान आणि शैक्षणिक समाजशास्त्र : लेखक भ.वा. कुंडले
8) प्राचीन काळातील शिक्षण (ग्रीक, रोम, चीन व भारत)– लेखक के. ना. देशपांडे व प्रा.आ.ल. माळी, नूतन प्रकाशन पुणे – ३०
9) शिक्षणातील मानसशास्त्र – गोगटे श्री. ब., श्रीविद्या प्रकाशन पुणे
10) शैक्षणिक मानसशास्त्र–कुलकर्णी के. व्ही., श्रीविद्या प्रकाशन पुणे
11) शैक्षणिक मानसशास्त्र व प्रयोगिक मानसशास्त्र – मोघे प्रकाशन कोल्हापूर
12) प्रायोगिक मानसशास्त्र – सौ. वनारसे, डॉ. गोगटे प्रकाशन

शिक्षा विशारद के लिए स्वीकृत पुस्तके :

1. शिक्षा – मनोविज्ञान ले. लालजी राम शुल्का (नन्दकिशोर ब्रदर्स बनारस)
2. शिक्षा के सिध्दांत और शिक्षा मनोविज्ञान, लेखक रानी टण्डन (सेन्ट्रल बुक डेपो, जोहन्नगंज अलाहाबाद)
3. शिक्षा मनोविज्ञान तथा प्रारंभिक मनोविज्ञान (दूसरा संस्करण) लेखक चन्द्रवती लखनपाल (कन्यागुरूकुल ६० राजपुर रोड देहरादून)

अंग्रेजी की स्वीकृत पुस्तकें :

1. Ground Work of Educational Psychology (By Ross)
2. Psychology (By Mun)
3. Education Psychology (By Crates)
4. Educational Psychology (By Sandiford)
5. Experimental psychology (By R. S. Woodworth).

Scanned by CamScanner

Akhil Bharatiya
Gandharva Mahavidyalaya Mandal (Regd.)

Affiliate Instituation : _____

Lesson Note For : Shikshak Sanad & Shiksha Visharad

Name of the Pupil - Teacher _____

Sr. No. of the Lesson _____ Date _____

Std. _____ Div. _____ Period _____ Time _____

Sub. _____ Name of the schol _____

Unit _____ Sangeet Vidyalaya _____

Previous knowledge of the class _____

Content (Teaching point) विषय – मुद्यों के साथ	Method Procedure शिक्षा पद्धती प्रश्नों के साथ	Black Board Work फलक लेखन, चित्रण तथा शैक्षणिक साहित्य प्रयोग

Notation Writing
(गीत, चीज स्वरलिपि लेखन)

Lesson Observation पाठ का निरीक्षण तथा मूल्यमापन	Method पाठ के मुद्दे	Pupil - विद्यार्थी सहभाग
विषय प्रभुत्व –	पाठ्य मुद्दे –	सहयोग –
पाठ की तैयारी –	शिक्षणिक साहित्य प्रयोग –	छात्रोंपर असर –
शिक्षक की विशेषताएँ –	विद्यार्थी का सहभाग –	वर्ग नियंत्रण –
फलक लेखन –	फलक लेखन –	

सूचना :–

पाठपर टिप्पणी

GRADES	A+	A	B+	B	C+	C	D+	D	E+
MARKS	90	80	70	60	50	40	30	20	100

दि.

प्रशिक्षणार्थी स्वाक्षरी केंद्र व्यवस्थापक Observer & Master of Method

Scanned by CamScanner